वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 260 | रविवार 15 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पतंगबाजी के बाद शाम को आतिशबाजी

जयपुर में जमकर चले पटाखे, लैंटर्न की रोशनी से जगमगाया आसमान

जयपुर. कासं

मकर संक्रांति पर लोगों ने जयपुरराइट्स ने दिनभर पतंगबाजी की और देर शाम होते ही आतिशबाजी। आतिशबाजी से नजारा दीपावली जैसा हो गया। लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। दो साल बाद शहर में ऐसा देखने को मिला। कोरोना के कारण दो साल तक लोग मकर संक्रांति को एन्जॉय नहीं कर पा रहे थे। चारदीवारी के लोगों ने इस बार दीपावली से ज्यादा आतिशबाजी मकर संक्रांति पर कर डाली। जिसे देखने के लिए राजस्थान के साथ देशभर से पर्यटक जयपुर पहुंचे। इससे पहले मौसम ने भी शहरवासियों का पूरा साथ दिया। अलसुबह से तेज हवा का दौर शाम तक चला। इस दौरान हर उम्र के लोगों ने पतंग उड़ाकर जयपुर की अनूठी परंपरा का पूरा लुफ्त उठाया। इस दौरान चारदीवारी में बड़ी संख्या में लोगों ने अपने घर की छत पर म्यूजिक सिस्टम भी लगाया। जो सुबह से देर शाम बजाया गया। मकर संक्रांति इस बार शनिवार को रहने से लोग दो दिन छुट्टी के मूड में दिखे। इसलिए त्योहार को जमकर एन्जॉय किया। रविवार को भी मकर संक्रांति मनाई जाएगी। मकर संक्रांति पर

जयपुर के लोग आराध्य देव गोविंद देवजी के दर्शन करते हैं और मंदिर की गोशाला में गायों को हरा चारा खिलाते हैं। यहां सिरहड्योढ़ी गेट से अंदर जाने पर बाहरी चौक और जलेब चौक पर पक्षियों को दाना भी डालते हैं। जलेब चौक से मंदिर जाने वाले रास्ते में मिलने वाले बंदरों और गायों को भी फल व हरा चारा दान करते हैं। गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को मकर संक्रांति का पर्व मनाया गया। जिसमें मंगला झांकी के बाद ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक किया और ठाकुरजी को नवीन गुलाबी रंग की जामा पोशाक पहनाई गई। इसके साथ ही उनके तिल के लड्डू और फिनी का भोग लगाया गया । ठाकुरजी के पतंगों की झांकी के दर्शन भक्त 15 जनवरी को भी करेंगे। ठाकुरजी के हाथ में सोने की पतंग है और राधा रानी के हाथ में चांदी की चरखी रखी गई। सखियों के हाथ में चरखी सेवा रही।

जलमहल की पाल पर पतंगबाजी के साथ कच्छी घोड़ी

जलमहल की पाल पर काइट फेस्टिवल का आयोजन किया गया, जिसमें लोक कलाकरों ने जमकर लोगों का मनोरंजन किया। गीत संगीत के साथ कई लोगों ने पाल से ही पतंग उड़ाई। पतंगबाजी का ये त्योहार हर आम और खास को घरों से निकाल कर छतों पर ले आया। राजनीति से जुड़े नेता-मंत्री तक आसमान में अपनी पतंग बढ़ाकर दांव पेंच लगाते नजर आए।

जयपुर से बढ़ेगी हवाई सेवा, अभी 18 शहरों में कनेक्टिविटी

अमृतसर के लिए 1, तो गोवा के लिए फ्लाइट होंगी शुरू, जयपुर से होगा 63 फ्लाइट्स का मूवमेंट

जयपुर. कासं

जयपुर एयरपोर्ट पर इन दिनों पर्यटन सीजन चल रहा है और हवाई सेवाओं का संचालन बढ़ा हुआ है। पर्यटन सीजन के चलते जयपुर एयरपोर्ट से रोजाना औसतन 15 हजार यात्री यात्रा कर रहे हैं। एयरपोर्ट से रोजाना औसतन 60 फ्लाइट संचालित हो रही हैं। अब इसमें और बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। दरअसल इसी माह जयपुर एयरपोर्ट से 3 नई फ्लाइट शुरू होंगी। स्पाइसजेट और गो फर्स्ट एयरलाइंस जयपुर से अमृतसर और गोवा के लिए फ्लाइट संचालन शुरू करेंगी। दरअसल अभी जयपुर एयरपोर्ट से देश के 18 घरेलू शहरों के लिए फ्लाइट चल

रही हैं। अब अमृतसर के लिए भी सीधी हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। स्पाइसजेट एयरलाइन 20 जनवरी से जयपुर से अमृतसर के लिए फ्लाइट शुरू करेगी। अमृतसर के लिए पिछले समर शेड्यूल में भी फ्लाइट चल रही थी। लेकिन, सितंबर माह में एयरलाइन ने अमृतसर की फ्लाइट का संचालन बंद कर दिया था। इसके बाद से अमृतसर के लिए एयर कनेक्टिविटी ठप हो गई थी। अब 20 जनवरी से जयपुर से अमृतसर के बीच सीधी फ्लाइट चलेगी। इन नई फ्लाइट्स के शुरू होने के साथ ही जयपुर से देश के 19 शहरों के लिए हवाई सेवा उपलब्ध होगी। माना जा रहा है कि मार्च माह तक फ्लाइट्स का संचालन इसी तरह बढ़ा हुआ रहेगा। मार्च माह तक फ्लाइट संचालन रोजाना 65 तक पहुंच सकता है। आगामी दिनों में कोलकाता के लिए फ्लाइट संचालन बढ़ सकता है। अभी कोलकाता के लिए इंडिगो की 3 फ्लाइट ही नियमित रूप से चल रही हैं। स्पाइसजेट ने प्रायोगिक रूप से 10 से 13 जनवरी के लिए 4 दिन फ्लाइट संचालित की है। आने वाले दिनों में इसे नियमित किए जाने की संभावना है। इसी तरह जयपुर से पुणे, अहमदाबाद और बेंगलुरु के लिए भी फ्लाइट संचालन बढ़ने की संभावना है। 20 जनवरी से जयपुर से अमृतसर के बीच शुरू होगी फ्लाइट। फ्लाइट एसजी-2941 जयपुर से सुबह 10:55 बजे जाएगी दोपहर 12:25 बजे अमृतसर पहुंचेगी।

गुलाबी नगरी में रही मकर संक्रांति की धूम...

मकर संक्रांति पर दिनभर पतंगबाजी के बाद शाम को हुई जमकर आतिशबाजी

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 2100 कम्बलों का वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने ठिठुरते हुए उन लोगों के लिये इस बर्ष सदीर्यों मे प्रतिदिन निरंतर कम्बल बांटें। विशेष पुण्य-दिवसों पर अधिक से अधिक लाचार व्यक्तियों की सहायता करने का प्रयास किया गया जयपुर के सरकारी अस्पतालों (टोमा, बांगड़, जेकेलोन, जयपुरिया एवं महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट) हॉस्पिटलो में ये कम्बल बांटे गए। दिनांक 14 जनवरी 2023 शनिवार मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में ट्रस्ट ने अपनी योजना वस्त्र बैंक के माध्यम से 500 कमबलों का वितरण के साथ ही संस्था ने इस वर्ष 2100 कम्बलों वितरण का लक्ष्य प्राप्त किया। जिसमें बहुत से दानदाताओं का सहयोग रहा है। कम्बल वितरण में आज संस्था के अध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा, सचिव सुरेंद्र शर्मा, साधक सुरजनलाल मीणा उपस्थित रहे।

निफ्ट जोधपुर में भोगी पोंगल का धूमधाम से सेलिब्रेशन

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जोधपुर। उत्तर भारत, मध्य भारत मकर संक्रांति व पंजाब में लोहड़ी की खास रौनक होती है। वहीं, इस दिन दक्षिण भारत में पोंगल का त्यौहार मनाया जाता है। इस बार शनिवार को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में भोगी पोंगल का उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर सभी फैकल्टी मेंबर्स भी मौजूद रहे। संस्थान के निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने बताया कि आस्था और संपन्नता का प्रतीक पोंगल का पर्व चार दिन तक मनाया जाता है। प्रत्येक दिन पोंगल का अलग अलग नाम होता है। पहले दिन भोगी पोंगल, दूसरे दिन सूर्य पोंगल मतलब संक्रांति, तीसरे दिन कानुम पोंगल कहते हैं। प्रसाद ने बताया कि इस दिन भोगी पोंगल पर लोग सुबह स्नान करने के बाद भगवान इंद्रदेव की विशेष पूजा अर्चना करते हैं। भोगी पोंगल की संध्या पर लोग इकट्ठा होकर भोगी कोट्टम बजाते हुए लोकगीत गाते हैं और एक दूसरे को बधाइयां देते हैं और मिठाइयां खिलाते हैं।

संगिनी मेट्रो की सदस्याओं ने किया सामाजिक सेवा कार्य : खुशियों के रंग हजार

जयपुर. शाबाश इंडिया। मकर सक्रांति के पावन अवसर पर संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओं ने सामाजिक सरोकार के अन्तर्गत सेवा कार्य किया। इस मौके पर संत सुधा सागर बालिका छात्रावास सांगानेर में बालिकाओं से रूबरू मिली और उनको मिठाई, फल और इडली का नाश्ता करवाया गया। ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन '**कोटखावदा**' एवं अध्यक्ष मैना जैन ने बताया कि बालिकाओं से मिलकर बहुत ही सुखद

अनुभूति हुई। उनके साथ खुशियों के पल बांटें। छात्रावास की बालिकाओं द्वारा धर्म की प्रभावना अनवरत रूप से चल रही है। इस मौके पर ग्रुप की सदस्या नीतू मुल्तानी की ओर से एक बालिका की फीस की राशि भी दी गई। संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा ने कार्यक्रम में उपस्थित ग्रुप सचिव अंबिका सेठी, दीपिका जैन,दीपा गोधा, मोना जैन, नीतू जैन, नीतू मुल्तानी, सुनीता जैन, प्रियंका जैन सभी का कार्यक्रम में सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष मैना जैन संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा सचिव अंबिका सेठी समस्त कार्यकारिणी संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो जयपुर।

वेद ज्ञान

विद्वता को सही रूप में समझें...

उपलब्धि योग्यता से होती है। योग्य का अर्थ विशिष्ट पात्रता से है। लीक से हटकर सारस्वत साधना करने में पूरा जीवन समर्पित करना पड़ता है। समाज के उत्कर्ष के लिए निरंतर खोज की आवश्यकता रहती है। विद्या की साधना से स्वाध्याय और लेखन की प्रेरणा मिलती है। विद्या से विद्वता आती है। विद्वता लाभ-हानि के गुणा-भाग से ऊपर का तत्व है। विद्वता का मानक मानवता, विनम्रता, संवेदना और चरित्र है। इसमें दोहरी चीज नहीं चलती। विद्वान पूर्वाग्रह और आत्मकेंद्रित संकीर्णता से भागते हैं। कुछ लोग वितंडावाद खड़ा करके विद्वता पर प्रश्न करते हैं। योग्यता की सार्थकता आगे बढ़ते होनहारों को पिछाड़ने में कदापि नहीं है। यह प्रेरणा का मंत्र बनकर गुनगुनाती है। केवल लिखने से कोई विद्वान नहीं बन जाता। जीवन और मंच की विद्वता में बड़ा अंतर है। अनुभवजन्य विद्वता गपबाजी से नहीं आती। अभाव से जूझते विद्वानों की तुलना धनवानों से नहीं की जाती। उच्च शिक्षा संस्थानों में पदों पर बैठे कुछ लोग विद्वानों की श्रेणी में स्वयं आ जाते हैं। मसिजीवी जब संघर्ष से आगे बढ़ते हैं, तो पदनामधारी घृणा करते हैं। विद्वता के आचरण और पहचान का संकट बढ़ा है। समाज को जोड़े, बचाने और आगे ले जाने की ललक रखने वाले समर्पित चिंतक दुर्लभ हैं। वाणी, ईमानदारी, सत्य और न्याय के अर्थ का अनर्थ करना कुशलता नहीं है। विद्या का दान सर्वश्रेष्ठ तपस्या है, जो पारस की भांति लोहे को सोना बनाता है। सकारात्मक प्रयास में चंदन का घर्षण आग उत्पन्न करता है। पारदर्शिता मूल्यांकन का आधार है। जिससे मिलने पर गुण या प्रेरणा नहीं मिलती उससे दूर रहना ही ठीक है। शिव से वरदान पाने पर भस्मासुर ने शिव पर ही परीक्षण करना चाहा तो उसका विनाश हो गया। इसलिए विद्या का सदुपयोग ही सार्थक है। सभी बादल जल नहीं बरसाते। वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु ने पौधों पर संवेदनशीलता पर शोध-प्रयोग किया। विद्वता के लिए श्रेष्ठ कार्य करने में नई राह बनानी पड़ती है। सरस्वती के पास जाने में लक्ष्मी संकोच करती हैं, पर संकोच कम करते ही अपना निवास बना लेती हैं। सरस्वती की अखंड आराधना के बिना विद्वता आना कठिन है।

संपादकीय

कुछ तथ्यों के आईने में समझने की जरूरत

जोशीमठ में प्राकृतिक त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के लिए हस्तक्षेप की मांग करते हुए एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में डाली गई। हालांकि अदालत ने इस पर तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि हर जरूरी चीज सीधे न्यायालय के पास नहीं आनी चाहिए। पीठ ने स्पष्ट कहा कि इस पर गौर करने के लिए लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित संस्थाएं हैं। दरअसल, याचिकाकर्ता ने दावा किया कि यह घटना बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण के कारण हुई है। उन्होंने उत्तराखंड के लोगों के लिए तत्काल वित्तीय सहायता और मुआवजे की मांग की। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका और अदालत की टिप्पणी के आईने में देखें तो विधायिका और नौकरशाही बनाम लोकहित के कई मुद्दे उठ खड़े हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि लोकतंत्र की मूल भावना, परंपरा और मर्म को लोकतांत्रिक संस्थाएं ही जिंदा रखती हैं, दीर्घजीवी और लोकतंत्र की जड़ें गहरी बनाती हैं। इस लिहाज से देखें तो उत्तराखंड में जोशीमठ में खड़े हो रहे

व्यापक प्राकृतिक आपदा के मद्देनजर वहां के लोगों की मुश्किलों को समझा जा सकता है। लेकिन स्थानीय स्तर पर जिस तरह का संकट पैदा हुआ है, उसमें प्राथमिक स्तर पर वहां की सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी बनती है कि वे इसका तात्कालिक और दीर्घकालिक समाधान निकालें। दूसरी ओर, आम जनता का भी यह हक है कि वह सबसे पहले स्थानीय स्तर पर उन संस्थाओं से अपनी जिम्मेदारी निभाने की मांग करें, जिन्हें लोकतंत्र में इसी काम के लिए बनाया गया है। दरअसल, जोशीमठ त्रासदी ने लोकतंत्र के इन स्तंभों को लेकर जो सवाल खड़े किए हैं, उन्हें कुछ तथ्यों के आईने में समझने की जरूरत है। वहां भूस्खलन और धंसाव की समस्या को लेकर पिछले सैंतालीस वर्षों में कई अध्ययन कराए गए, लेकिन उनकी रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। वैज्ञानिकों ने हर बार आगाह किया, लेकिन इसके बाद भौगोलिक-तकनीकी अध्ययन कराने की ओर से आंखें फेर ली गई। उपचारात्मक कार्य नहीं हो पाए और आज स्थिति सबके सामने है। पुराने भूस्खलन क्षेत्र में बसे जोशीमठ में पूर्व में अलकनंदा नदी की बाढ़ से भूकटाव हुआ था। साथ ही घरों में दरारें भी पड़ी थीं। वर्ष 1976 से लेकर 2022 तक की अनेक अध्ययनों की संस्तुतियों में जोशीमठ क्षेत्र का भूगर्भीय सर्वेक्षण, भूमि की पकड़, धारण क्षमता, पानी के रिसाव के कारण समेत कई अध्ययन कराने की जरूरत बताई गई। वैज्ञानिकों के अनुसार जोशीमठ सिस्मिक जोन पांच में आता है और भूकंप व भूस्खलन की दृष्टि से काफी संवेदनशील स्थान है। इन तथ्यों को लेकर राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) की तपोवन विष्णुगढ़ जल विद्युत परियोजना और हेलंग बाईपास का निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठते रहे। अब जबकि जोशीमठ में पानी सिर से ऊपर बहने लगा है और हाल में वैज्ञानिकों के दल ने दोबारा सर्वेक्षण कर अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपी है, तब जाकर सरकार की नींद टूटी है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

विरासत की खातिर

चंडीगढ़ में रिहाइशी इलाकों के स्वरूप में बदलाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, वह दूरगामी महत्त्व का है। यह न सिर्फ चंडीगढ़ को एक विरासत के रूप में बचाने की फिक्र है, बल्कि एक तरह से विकास के नाम पर चलने वाली उन गतिविधियों पर भी टिप्पणी है, जिसकी वजह से कोई शहर आम जनजीवन से लेकर पर्यावरण तक के लिहाज से बदइंतजामी का शिकार हो जाता है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ शहर के फेज एक में एकल आवासीय इकाइयों को मंजिल आधारित अपार्टमेंट में बदलने पर रोक लगा दी है। अब इस इलाके में एक समान अधिकतम ऊंचाई के साथ मंजिलों की संख्या तीन तक सीमित रहेगी। पिछले कुछ दशकों से शहरों में विकास के नाम पर जिस तरह की बेलगाम गतिविधियां चल रही हैं, उसके मद्देनजर इस फैसले को दरअसल देश के पहले नियोजित शहर चंडीगढ़ की विरासत को बचाने की दिशा में एक बड़ा कदम कहा जा सकता है। अदालत ने भी इसकी अहमियत का जिक्र करते हुए कहा कि यह रोक चंडीगढ़ की विरासत की स्थिति के साथ-साथ स्थिरता के मद्देनजर जरूरी है; सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच एक 'उचित संतुलन' बनाने की भी आवश्यकता है। यह जगजाहिर तथ्य है कि देश भर के शहर-महानगर व्यवस्थागत स्तर पर जिस तरह की समस्याओं से दो-चार होते जाते हैं, उसका मुख्य कारण अनियोजित विकास होता है। चंडीगढ़ को इसीलिए अलग करके देखा जाता रहा है कि इस शहर को जिस स्वरूप में निर्मित किया गया था, उसमें न सिर्फ रिहाइश के स्तर पर आम लोगों को एक बेहतर जगह मिल सकी, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भी नियोजित शहरीकरण का एक आदर्श उदाहरण रहा है। फ्रांसीसी वास्तुकार ली कार्बूजिए ने सालों की मेहनत के बाद चंडीगढ़ शहर की संरचना का निर्माण किया था। उन्हें भीड़भाड़ वाले शहरों में बेहतर स्थितियां और जरूरत के मुताबिक ढांचा तैयार कराने के प्रति समर्पित माना जाता था। उन्होंने चंडीगढ़ में जिस स्वरूप में इमारतों का निर्माण कराया, वे आमतौर पर एक अलग संदेश देती हैं। मगर अफसोस की बात यह है कि वक्त के साथ इन इमारतों में भी सुविधा के मुताबिक कई तरह के बदलाव किए गए। जाहिर है, इस तरह के बदलाव केवल सीमित असर नहीं डाल रहे थे, बल्कि विस्तृत होकर शहर के ढांचे पर भी प्रभाव डालने वाले थे। इसी क्रम में सन 2001 में एक नियम के तहत चंडीगढ़ में आवासीय भूखंडों को अपार्टमेंट के रूप में निर्माण या उपयोग करने की इजाजत दे दी गई थी। हालांकि इसके बाद नागरिक समूहों ने चंडीगढ़ प्रशासन के खिलाफ इस मसले पर सार्वजनिक विरोध जाहिर किया था। विरोध के पीछे दलील यह थी कि ढांचे में बदलाव की इस तरह की कोशिशें शहर के चरित्र को पूरी तरह बदल देंगी और मौजूदा बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को खत्म कर देंगी। इसके बावजूद कई स्तर पर नियमों को दरकिनार कर आवासीय इकाइयों को मनमाने निर्माण के लिए बेचा जाता रहा। सवाल है कि जिस शहर को एक व्यापक दृष्टिकोण और मेहनत के बाद बनाया गया था, उसके स्वरूप को संरक्षित करने के प्रति सरकार या संबंधित महकमों ने अपनी ओर से सजगता दिखाने के बजाय उसके प्रति अपनी आंखें क्यों मूंदे रखीं।

दर्शनोदय तीर्थ क्षेत्र थूवौन जी वार्षिक मेला 15 जनवरी को

निकलेंगी आर्यिकासंघ के सान्निध्य में श्री जी कि भव्य शोभायात्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

मध्य भारत के सबसे बड़े तीर्थ दर्शनोंदय अतिशय क्षेत्र थूवोनजी का वार्षिक मेला महोत्सव एवं श्रीमद् जिनेन्द्र विमानोत्सव का भव्य आयोजन पंद्रह जनवरी को आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की परम शिष्या आर्यिका रत्न श्री गुरु मति माताजी ससंघ, आर्यिका श्री सूत्रमति, आर्यिका रत्न श्री आदर्श मति माताजी ससंघ, आर्यिका श्री अंतरमति माताजी ससंघ के सान्निध्य में होगा। जिसमें अंचल भर से भक्तों के काफिले थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का महा मस्तिकाभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे।

होगा बड़ा सत्संग का महा समागम

क्षेत्र कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि मेला महोत्सव पर दर्शनोदय तीर्थ में बड़ा सत्संग होने जा रहा है जिसमें सात संघों का ब्रहद समागम होने जा रहा है इस हेतु क्षेत्र कमेटी की बेठक में सभी आवश्यक तैयारियां को अंतिम रूप देने के लिए कार्यो के विभाजन के साथ विभिन्न संगठनों को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई। तीर्थ क्षेत्र कमेटी के मिडिल प्रभारी अरविंद कचनार ने बताया कि मुनि पुगंव श्री सुधासागर महाराज की प्रेरणा से दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी का वार्षिक मेला मकरसंक्रांति दर्शन दिवस पर आयोजित किया जा रहा है। कमेटी

के महामंत्री विपिन सिंघई ने बताया कि अंचल के भक्तों को अधिकाधिक संख्या में तीर्थ वंदना का सौभाग्य प्राप्त हो सकें इस हेतु निःशुल्क बसो की व्यवस्था की जा रही है जहां अशोक नगर में सुभाष गंज मन्दिर से जायेगी इसके साथ ही राधोगढ वामौर कला मुंगावली चन्देरी गुना शाढ़ौरा ईसागढ़ सहित अन्य स्थानों से बसे आयेंगी। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि आर्यिकारत्न श्री आदर्श मति माताजी ससंघ, आर्यिका श्री अंतरमति माताजी संघ सहित व आर्यिका रत्न श्री गुरुमति माताजी ससंघ, आर्यिका श्री सूत्रमति माताजी सोलह आर्यिका माताजी के संघ सहित राजपुर मलवनी पिपरई होते हुए कल शाम को दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में मंगल प्रवेश करेंगी । वहीं मुंगावली से विहार करते हुए सहराई पहुंचे यहां से दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी पंदह जनवरी को प्रातः काल की वेला भव्य प्रवेश करेंगी ।

ये होंगे महोत्सव के द्वारा आयोजन

दर्शनोदेय अतिशय क्षेत्र थूवोनजी में मेला महोत्सव के दौरान प्रातः काल की वेला में ध्वजारोहण होगा इसके बाद संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज तीर्थउदार्क मुनि पुगंव श्रीसुधासागर महाराज के चित्र का अनावरण दीप प्रज्वलन होगा। थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का 108 कलशो से महा मस्तिकाभिषेक होगा। इसके बाद जगत कल्याण की कामना के साथ ब्रहद मंत्रोचारण के साथ महा शान्ति धारा होगी। इसके बाद भगवान आदिनाथ स्वामी की महा आराधना रूप श्री भक्तामर महा मंडल विधान व भगवान की महा आराधना होगा। तद उपरान्त श्री भगवान जिनेन्द्र देव का रजत विमान के साथ चल समारोह प्रारंभ होगा। जो मेला स्थल पर पहुंचकर धर्म सभा में बदल जायेगा। इस दौरान आगंतुक अतिथियों का सम्मान उद्बोधन के साथ धर्म सभा होगी। इसके बाद चार इन्द्रो द्वारा पांडुशिला पर भगवान के कलशाभिषेक और फूलमाल ज्ञानमाल का भव्य आयोजन होगा। थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंग, उपाध्यक्ष गिरिश अदा घटेगा, राकेश अमरूद, धर्मेन्द्र बोकड़िया, महामंत्री विपिन सिघल, मंत्री विनोद होली, राजेन्द्र हलवाई ,रानी जैन पिट थरवई, कोषाध्यक्ष सौरव वाझल, प्रचार मंत्री विजय धुर्रा, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनारा, आडीटर राजीव चन्देरी, थूवोनजी मंडल समूह ने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ ले।

आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज का 57वां आहार निरन्तरराय हुआ

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। झारखंड में सबसे ऊंची चोटी पर विराजमान शीत लहरी की ठंड में जैन धर्म के सबसे महान तपस्वी चतुर्थ काल के मुनि की तरह तपस्या करने वाले मुनि सिंहनिस्क्रीयधारी आचार्य श्री 108 अन्तर्मना प्रसन्न सागर जी महाराज सम्मेद शिखर के स्वर्णभद्र कूट पर 5 डिग्री की ठंडी में अपनी तपस्या में रत होते हुये आज सभी आदिवासी के हजारों लोगो को मंगल आशीर्वाद देते हुवे मौन वाणी से कहा कि सभी मधुवन वासी, मूल निवासी, आदिवासी समाज को नववर्ष एवं मकर संक्रान्ति की अनन्त शुभसंशाओ के साथ आशीर्वाद, स्वस्थ प्रसन्न रहो । नववर्ष एवं मकर संक्रान्ति का महान पर्व हम इस सोच और संकल्प के साथ शुरू करें कि बीते हुये दिनों की बुराईयों को, आपस

में हुये वाद विवाद को, एक दूसरे की गलतियों को नहीं दुहरायेंगे और आपस में प्रेम सदभाव मैत्री, भाई चारे की तरह साथ निभायेंगे। नववर्ष, मकर संक्रान्ति को नई सोच, नई उमंग और नये जोश के साथ बितायेंगे। मैं मानता हूं कि संकल्प के पथ पर चलना कठिन काम है लेकिन असम्भव नहीं। जो लोग हिम्मत करते हैं वे पारसनाथ भगवान के चरणों में पहुंच जाते हैं और जो हिम्मत हार जाते हैं वे सीता नाला से वापस लौट आते हैं। आप सभी अति सौभाग्य शाली हैं कि आप सबको तीर्थराज सम्मेद शिखर पर्वत की वरदानी छांव में जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। इसलिए आप सभी भव्य जीव हैं। आप लोगों ने जो तीर्थ यात्रियों के मन में अपने कार्य और कर्त्तव्य के प्रति, सेवा समर्पण का जो विश्वास जगाया है वह प्रशन्सनीय और अनुकरणीय है। कोई भी जैन यात्री एवं हमारी माता बहिने आपके साथ, अर्ध रात्रि को अकेले, पूरे पर्वत की निडरता के साथ, निःसंकोच होकर वन्दना कर आती है, यह पारसनाथ भगवान और आपके अखण्ड विश्वास का ही फल है। अन्यथा ओ माई गोड । पूरे मधुबन में कोई भी मजदूर हो, डोली वाले या बाईक वाले हो, चाहे पर्वत के कर्मचारी या गार्ड हो, किसी ने भी आज तक किसी भी यात्री से गन्दी हरकते नहीं की, ना गन्दा व्यवहार किया। इसी विश्वास के कारण ही हमारी माता बहिने आपके साथ पर्वत पर आने को तैयार हो जाती हैं। आप अपनों से आत्मीय अपनत्व विश्वास के साथ एक निवेदन करना चाहता हूँ -पर्वत की पवित्रता और स्वच्छता का ध्यान रखेंगे। पर्वत पर कोई भी मादक पदार्थ ना खायेंगे, ना किसी को खाने देंगे। यदि कोई व्यक्ति या यात्री गलत पदार्थ खा पी रहा हो तो उसे प्रेम से समझायेंगे।

आदिनाथ भगवान तलघर वाले बाबा रथयात्रा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

कस्बे में जैन समाज ने जगह-जगह आरती उतार किया रथयात्रा का स्वागत, सम्मेदशिखर जी की झांकी रही मुख्य आकर्षण

कामा. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज कामा एवं शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर दीवान जी के तत्वावधान में आयोजित आदिनाथ भगवान तलघर वाले बाबा की तीसवीं प्रगट तिथि पर रथयात्रा महोत्सव का शुभारंभ अजीत जैन कासलीवाल सेलम, गजेंद्र जैन बड़जात्या जयपुर, अजय जैन बड़जात्या दिल्ली द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। शान्तिनाथ मन्दिर के व्यवस्थापक उत्तम जैन,प्रदीप जैन के अनुसार प्रातः अभिषेक शांतिधारा ध्वजारोहण के कार्यक्रम मन्दिर प्रांगण में हुए तो मुख्य कार्यक्रम विजय मती स्वाध्याय भवन में । चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन एवं रेखा जैन के मंगलाचरण के साथ प्रारंभ हुआ इस अवसर पर सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य रमेश चंद प्रदीप कुमार अन्य इंद्र ओम प्रकाश अजय कुमार, अनिल कुमार लोकेश कुमार एवं पारस जैन बड़जात्या जयपुर को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संजय जैन बड़जात्या ने कहा कि आज से 30 वर्ष पूर्व शांतिनाथ भगवान के जिनालय में खुदाई के दौरान प्राप्त तलघर से चौदह सौ वर्ष प्राचीन आदिनाथ भगवान की अतिशयकारी प्रतिमा प्रगट हुई थी जिस के उपलक्ष में यह भव्य आयोजन किया गया। भगवान के खवासी बनने का सौभाग्य जगदीश जैन योगेश जैन बानमूँझ वालो एवं खजांची के रूप में सुरेश चन्द कैलाश चन्द जैन अगोनिया रथ में विराजमान थे।

आचार्य सुनील सागर जी के सानिध्य में

आदिनाथ निर्वाणोत्सव पर 48 मंडलीय भक्तामर दीप महाअर्चना व साधु सन्त सेवा भावार्थियों का सम्मान समारोह के पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रान्त राजस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला व कार्याध्यक्ष अनिल जैन आई पी एस के नेतृत्व में भगवान ऋषभ देव के अगले शुक्रवार 20 जनवरी को मोक्ष कल्याणक के अवसर पर आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में होने वाले भव्य भक्तामार दीप अर्चना महोत्सव के पोस्टर का विमोचन शनिवार 14 जनवरी को संघी जी के मन्दिर सांगानेर में किया गया। संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव लाखना व महामंत्री सुनील पहाड़िया ने बताया की इस अवसर पर 48 मण्डल पर जयपुर की 48 कालोनियों-मन्दिर के श्रावकों द्वारा भक्ति के साथ 2304 दीपक से भक्तामर दीप अर्चना की जाएगी जिसकी संगीतमय प्रस्तुति श्री विद्या सागर यात्रा संघ के मनीष चौधरी एवम्-साथियों द्वारा की जाएगी। कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया व महेश काला ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शान्ति कुमार ममता सोगानी जापान वाले तथा

विशिष्ट अतिथि कांता देवी रश्मि कांत सोनी व राकेश राहुल मधोराजपुरा वाले होंगे। इसी दिन साधु सन्तों की सेवा के भावार्थियो का भी संस्थान द्वारा सम्मान किया जाएगा। मंगलाचरण संस्थान के मंत्री जीतू गंगवाल ने तथा संचालन इंद्रा बडजात्या ने किया। संस्थान के संरक्षक श्रेष्ठी राकेश कुमार माधोराजपुरा वालो ने सभी पदाधिकारियों के साथ चित्र अनावरण व आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया। आचार्य श्री ने आशीर्वाद में कहा की पतंग ऊँचाइयों पर जब तक ही चढ़ता है जब डोर किसी के हाथ में होती है तथा मानव ऊँचाइयों पर जब ही चढ़ता है जब तक डोर गुरु के हाथ होती है। डोर के छोड़ते ही पतंग हो या जीवन हिचकोले खाने लग जाता है। इस अवसर पर संस्थान के संरक्षक ज्ञान चंद जैन, सौभाग मल अजमेरा, देवेंद्र कासलीवाल तथा संघी जी मन्दिर के मंत्री सुरेश कासलीवाल की सहभागिता रही। सभी मौजूद सदस्यों ने विमोचन के पश्चात बैठकर सारी व्यवस्थाओं का जायजा लिया व मन्दिर कमेटी के साथ विचार विमर्श किया।

अतुल बिलाला दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मनोनित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के वर्तमान में वरिष्ठ अतिरिक्त महासचिव, राजस्थान रीजन के पुर्व अध्यक्ष, मैत्री ग्रुप जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष अतुल बिलाला को दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद पर मनोनित होने पर आज यहां दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री परिवार की ओर से उनके निवास स्थान पर स्वागत व सम्मान किया गया। समस्त मैत्री ग्रुप परिवार की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका व राष्ट्रीय महासचिव विपुल बांझल को भी बधाइयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई। श्रीमती पुष्पा - प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल व राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका का समस्त मैत्री, जयपुर परिवार की ओर से बहुत-बहुत आभार प्रेषित कर धन्यवाद दिया गया।

जैन सोश्यल ग्रुप अप टू डेट ने बांटे जरुरतमंदो को कम्बल

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप अप टू डेट के सदस्यों ने भीषण सर्दी का सामना कर रहे जरूरतमंद लोगों की और मदद का हाथ बढ़ाया और उन्हें कम्बल प्रदान किए। यह जानकारी देते हुए ग्रुप अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन और सचिव विवेक कासलीवाल ने बताया की सदस्यों ने सर्द रात में विभिन्न स्थानों पर जाकर लगभग 150 कम्बल वितरित किए। कार्यक्रम के पुण्यार्जक अजय -मोना जैन रहे। इस अभियान में राजीव -अंजू, ग्रुप उपाध्यक्ष विकास-डिंपल जैन, जिनेन्द्र -आशिमा जैन, निर्मल -पिंकी जैन, नरेंद्र -स्वाति जैन, कविता जैन, ममता जैन समेत अनेक ग्रुप सदस्य मौजूद रहे।

विमल परिसर महामस्तकाभिषेक आज 15 जनवरी को

जयपुर. शाबाश इंडिया। सम्मेद शिखर तीर्थ स्थल के उद्धारक आचार्य श्री108 विमल सागर जी महाराज की स्मृति में रविवार को सुबह 9 बजे श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, आचार्य विमल सागर परिसर, ग्राम नांगल्या, बीलवा, टोंक रोड, जयपुर पर गणिनी आर्यिका रत्न 105 नंगमति माताजी के सान्निध्य में शांतिधारा एवं पंचामृत महामस्तकाभिषेक का आयोजन होगा, तत्पश्चात आचार्य श्री की मूर्ति का पंचामृत अभिषेक होंगे। सुधर्म नंग अहिंसा ट्रस्ट के अध्यक्ष आर.सी.जैन ने बताया कि आचार्य श्री ने सम्मेद शिखर पावन तीर्थ क्षेत्र की गरिमा व पावनता हेतु अपने जीवन का अधिकतम समय तीर्थ क्षेत्र सम्मेद शिखर जी में ही व्यतीत किया था। सभी साधर्मी बंधुवर समय पर पधारकर महामस्तकाभिषेक आयोजन में सम्मिलित होकर आचार्य श्री द्वारा सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी हेतु किए गए कार्यों का विस्तृत वृतांत 105 गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी के मुखारबिंद से सुनें और क्षेत्र की वर्तमान परिस्थिति में हमें क्या करना चाहिए, इस बारे में अपने-अपने विचार माताजी के समक्ष रखें।

शशी नवीन सेन जैन हुई सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के उज्जैन में संपन्न राष्ट्रीय अधिवेशन में पारिवारिक समस्या निराकरण कमिटी की राष्ट्रीय चेयरमैन शशी सेन जैन को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष नवीन सेन जैन, राजस्थान जयपुर रीजन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या एवं नवकार ग्रुप अध्यक्ष मोहन लाल गंगवाल ने उन्हें माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेट किया।

दरवाजे पर ताला इसलिए लगाया जाता है कि कहीं गलती से ईमानदार व्यक्ति का ईमान ना डगमगा जाये...

वरना चोर के लिए ताला तोड़ना कौन सी बड़ी बात है : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो या अन्धकार से प्रकाश की यात्रा। अन्धकार केवल और केवल प्रकाश की अनुपस्थिति का नाम ही है। अन्धकार तब तक सक्रिय रहता है जब तक प्रकाश नहीं आता। अन्धकार वास्तव में क्या है-? बाहर का अन्धकार तो सुरक्षा करता है, थामता है, गिरने से बचाता है और भीतर का अन्धकार गुमराह करता है, भटकाता है चार तरह से - (1) अहंकार (2) असत्य (3) अज्ञान (4) अवगुण । विनम्रता का अभाव ही अहंकार का अन्धकार है। विनम्रता का आभूषण धारण करने से अहंकार का खर्दुषण कभी हावी नहीं हो सकता। असत्य का अस्तित्व तभी तक विद्यमान है, जब सत्य का सूर्य प्रकट नहीं हुआ। एक सत्य के आते ही, हजार असत्य के मुखौटे निस्सार हो जाते हैं। सत्य की एक तेल की बूंद को, असत्य के करोड़ टन पानी भी मिलकर नहीं मिटा पाते। इसलिए कहते हैं - सत्य परेशान तो हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। अज्ञान का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है, वह केवल अविवेक और समीचीन ज्ञान की अनुपस्थिति ही है। अवगुण का अस्तित्व तब तक हम पर हावी होता है, जब तक व्यक्तित्व में गुणों का समावेश नहीं हो जाता। एक अवगुण हमारे सभी सद्गुणों पर भारी पड़ जाता है। हमने कब कहा उनसे - घर से वो निकल जाये..चाहते हैं बस उनकी, आदतें बदल जाएं।

इतिहास दुर्लभ सजोड़े संथारे के पथिक श्री पुखराज जी संकलेचा ने सम्पूर्ण सिवांची-मालाणी की धरा को कर दिया गौरवान्वित

लेखकः गणपत भंसाली (जसोल-सूरत)

इस जगत में प्रति दिन लाखों व्यक्ति जन्म लेते है और असंख्य व्यक्ति इस संसार से अलविदा भी हो जाते है लेकिन जीवन सफल उन्हीं का होता है जो किसी उद्देश्य के साथ जीते हैं। सही मायनों में वे व्यक्ति अमर हो जाते है जिन्होंने अपने चिंतन कर्म व जीवनशैली से परिवार, समाज, धर्मसंघ, गांव, राज्य व राष्ट्र को गौरवांवित किया हो। सिवांची-मालाणी की पुण्यधरा के अंतर्गत जसोल नगर के निवासी श्री पुखराज जी संकलेचा (नगरवाला) की गणना भी ऐसे विरले व्यक्तियों में की जाएगी। श्री पुखराज जी संकलेचा ने 82 वर्ष की उम्र में तीसरे व अंतिम मनोरथ को पूर्ण करने हेतु संथारे की उत्कृष्ट भावना मन मे संजोई और अमरत्व की इस यात्रा की और आगे बढ़ गए। परिवार जनों के समक्ष श्री संकलेचा ने अपना लक्ष्य दोहराया और उनके इस मनोरथ को पूर्ण करने हेतु परिवार के सभी सदस्यों ने पूर्ण समर्पण भाव से अपनी स्वीकृति प्रदान की। बुधवार 28 दिसम्बर 2022 की वो पावन बेला जिस दिन युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की आज्ञा से मुनि श्री सुमतिकुमार जी ने परिवार जनों व सगे-सम्बन्धियों तथा समाज अग्रणियों की मौजूदगी में श्री संकलेचा को तिविहार संथारे का प्रत्याख्यान करवाया। इस अवसर पर साध्वी श्री प्रमोद श्री जी की भी प्रेरक उपस्थिति रही। सम्भवत यह विरला व इतिहास दुर्लभ संयोग ही होगा कि सात फेरों के बंधन में बंधी व जन्मों जन्मों तक साथ निभाने वाली श्री पुखराज जी संकलेचा की अर्धांगिनी श्रीमती गुलाबी देवी ने अपने प्रिय के इस दृढ़ मनोबल व अनुपम मनोरथ के हिमालयी लक्ष्य को देख इस पथ पर साथ देने की ठानी व वे भी पूर्ण चेतन अवस्था मे इस राह की और अग्रसर हो गई। चूंकि तप यात्रा की और तो वे अपने पतिदेव के संथारा पच्चखान के साथ-साथ ही गतिमान हो गई थी, सम्भवत संथारा साधक श्री पुखराज जी संकलेचा व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गुलाबी देवी संकलेचा ने युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के उस कथन को आत्मसात कर दिया होगा कि-मौत एक वास्तविक अतिथि है। वह बिना तिथि, दिनांक दिए ही आती है। इस अतिथि के स्वागत की तैयारी सदा ही रखनी चाहिए। जब इरादे बुलंद हो और भावना उच्च हो तो प्रभु भी दर्शन देने अपनी चौखट पर दस्तक दे देते है। कुछ ऐसा ही विरला संयोग हुआ। संयोगवश शांति दूत युग प्रधान परम-श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण जी मय अहिंसा यात्रा के मरुधरा के आंचल सिवांची-मालाणी की धरा पर पधारे हुए थे, दूसरी और श्री पुखराज जी संकलेचा संथारे के मनोरथ को पूर्ण करने हेतु दृढ़ संकल्पित थे। तो पूज्यप्रवर के चरण नगर वाला परिवार के आवास की और बढ़े व उन्हें आध्यात्मिक सम्बल प्रदान करने ज्योतिचरण स्वयं संकलेचा निवास में पगलिया करने पधार गए। प्यासे व्यक्ति को अपनी प्यास बुझाने समंदर के पास जाना ही पड़ता है लेकिन समंदर स्वयं ही प्यासे व्यक्ति की दर तक पहुंच जाए तो इतिहास की अनोखी घटना ही कहलाएगी। पूज्य गुरुदेव की सन्निधि पाकर संथारा साधक श्री पुखराज जी के मनमस्तिष्क में उमड़ते भावों का आकलन नही किया जा सकता, क्योंकि ऐसे अप्रितम भावों को मापने का कोई यंत्र आज दिन तक निर्मित नही हो पाया। परिवार जनों के लिए पूज्य गुरुदेव का पावन-पवित्र

सान्निध्य सचमुच में गौरव की अनुभूति से लबालब व पुण्य के उदय से ओतप्रोत था। वे पल और भी अनुपम व अद्वितीय बन गए जब श्री पुखराज जी संकलेचा के साथ-साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गुलाबी देवी ने भी पूज्यप्रवर की सन्निधि में 6 जनवरी 2023 को प्रातः 10.51 की पावन बेला में पतिदेव संथारा साधक श्री पुखराज जी संकलेचा, सपुत्र सुशील संकलेचा एवं कांतिलाल संकलेचा तथा समस्त परिवारजनों की स्वीकृति से तिविहार संथारा-सलेंखना के मनोरथ को स्वीकारा। पूज्य गुरुदेव ने श्रीमती गुलाबी देवी संकलेचा को यावद जीवन तिविहार संथारे का पच्चखान करवाया। पूज्यप्रवर की पावन सन्निधि में उस दिन श्रीमती गुलाबी देवी की 10 दिन की तपस्या सजोड़े संथारा सलेंखना में परिवर्तित हो गई। चूंकि श्रीमती गुलाबी देवी ने अपने पतिदेव की संथारे की भावना के साथ ही साथ मन ही मन मे इस पथ की पथिक बनने की ठान ली थी और पूज्य गुरुदेव के पावन सान्निध्य में इस व्रत को स्वीकार भी दिया। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी ने जसोल के नाकोड़ा रोड़ स्थित न्यू तेरापंथ भवन में अपने प्रातःकालीन प्रवचन में श्री पुखराज जी संकलेचा व श्रीमती गुलाबी देवी संकलेचा के सजोड़े संथारे पर विशेष उद्गार प्रकट करते हुए इतिहास की दृष्टि से इस संथारे को अद्वितीय व दुर्लभ संयोग बताया। गुरूदेव ने वहां मौजूद वरिष्ठ सन्तजनों व साध्वी प्रमुखा जी आदि की और मुखातिब होते हुए विवेशना की कि मैंने मेरे जीवन मे तो सजोड़े संथारे का संयोग नही देखा। गुरूदेव के उद्गारों से न बल्कि संकलेचा परिवार, न सिर्फ जसोल नगर अपितु सम्पूर्ण सिवांची-मालाणी की धरा गौरवान्वित व धन्य-धन्य हो गई। और जसोल के सुश्रावक श्री पुखराज जी व सुश्राविका श्रीमती गुलाबी देवी संकलेचा के अदम्य साहस भरे इस सजोड़े संथारे के मनोरथ से सम्पूर्ण तेरापंथ धर्म संघ में नव इतिहास का सृजन हो गया। और जहां चाह वहां राह वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए श्री पुखराज जी संकलेचा का यह मनोरथ पूर्ण भी हो गया। शनिवार 14 जनवरी 2023 मकर सक्रांति के दिन प्रातः 5.35 बजे आप श्री का 18 वें दिन में संथारा सीजने के साथ ही आप अपने उच्च भावों के साथ प्रयाण कर गए और अमरत्व की दिशा में कदम बढ़ा गए। श्री पुखराज जी का जन्म 2 नवम्बर 1939 में मालाणी धरा के अंतर्गत जसोल नगर के प्रतिष्ठित संकलेचा (नगरवाला) परिवार के श्री प्रेमचंद जी एवं श्रीमती खम्मा देवी के यहां हुआ था। परिवार में आप 8 भाई व 3 बहिनों में सबसे ज्येष्ठ थे।

स्वर्गीय प्रदीप जी कि 75 वीं जन्म जयंती पर महावीर फिजियोथैरेपी केंद्र के नवीन परिसर का लोकार्पण हुआ

राजेश जैन. शाबाश इंडिया

इंदौर। महावीर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक स्वर्गीय श्री प्रदीप कासलीवाल की 75 वीं जन्म जयंती पर कंचनबाग स्थित महावीर ट्रस्ट द्वारा संचालित महावीर बाल संस्कार केंद्र के नव श्रंगारित संकुल में महावीर फिजियोथैरेपी केंद्र के नव श्रंगारित परिसर का लोकार्पण महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की शिरोमणि संरक्षक श्रीमती पुष्पा कासलीवाल ने सेंटर के प्रवेश द्वार पर फीता काटकर एवं प्रदीप जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए महावीर ट्रस्ट के ट्रस्टी बाहुबली पांड्या ने बताया कि वर्ष 1993 में लायनेस क्लब इंदौर के सहयोग से इसी संकुल में इस फिजियोथेरेपी केंद्र की छोटे रूप में स्थापना की गई थी जो आज से नव श्रंगारित परिसर में वृहद रूप में संचालित होगा एवं यहां पर मरीजों की रियायती दर पर आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों के माध्यम से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर आस्था पाठक के निर्देशन में प्रतिदिन सुबह और शाम फिजियोथैरेपी चिकित्सा की जाएगी। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, मंत्री डॉक्टर जैनेंद्र जैन, अष्टापद बद्रीनाथ के अध्यक्ष आदित्य कासलीवाल, सोशल ग्रुप फेडरेशन के निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश कासलीवाल, दिनेश दोषी दिगंबर जैन महासभा के टी के वेद, राजेश दद्दू, अशोक खासगीवाला दिलीप पाटनी मनोहर झांझरी, जिनेंद्र कासलीवाल, कीर्ति पांड्या एवं महावीर ट्रस्ट एवं लायंस क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। आभार ललित राठौर ने माना।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

ठंड के मौसम में खाएं ये चीजें

1. खजूर (Date)

खजूर में विटामिन A और B काफी मात्रा में पाया जाता है। साथ ही साथ इसकी तासीर भी गर्म होती है जिसको सर्दियों में खाने से हमारी बॉडी अंदर से गर्म रहती है। ये हमें बाहरी ठंड से भी बचाता है।खजूर में फॉस्फोरस (Phosphorus), पोटैशियम (Potassium), कैल्शियम (Calcium) , मैग्नीशियम (Magnesium) समेत फाइबर (Fiber) भी काफी मात्रा में पाए जाते हैं। ये हमारे शरीर के लिए काफी जरुरी हैं। लेकिन ध्यान रहे इसमें शुगर भी काफी मात्रा में होती है इसलिए इनका अधिक सेवन न करें।खजूर के फायदे :खजूर में मौजूद मैग्नीशियम से हार्ट प्रॉब्लम्स (Heart Problems) होने के चांसेस कम हो जाते हैं।ब्लड शुगर (Blood Sugar) और ब्लड प्रेशर (Blood Pressure) कंट्रोल में रहता है।इसमें फॉस्फोरस , पोटैशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम, से बोन हेल्थ (Bone Health) मजबूत रहती है।2. गुड़ (Jaggery)गन्ने के रस को अलग-अलग तरीकों से उबालकर उसे ठोस होने तक गाढ़ा किया जाता है। ठोस होने के बाद जो हल्के भूरे (Light Brown) रंग का पदार्थ मिलता है उसे गुड़ (Jaggery) कहते हैं।गुड़ हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है, इस कारण आज भी कई लोग अपनी डाइट में इससे बनी हुई चीज़ें शामिल करते हैं।जान लें कि पूरी दुनिया में गुड़ की जितनी खपत होती है, उसका 70 % उत्पादन (Production) भारत में ही होता है।कैसा होता है अच्छी क्वालिटी वाला गुड़,अच्छी क्वालिटी वाले गुड़ में 70% से अधिक सुक्रोज (Sucrose) होते हैं। साथ ही साथ मिनरल्स (Minerals) 5% , ग्लूकोज (Glucose)10% से कम और फ्रक्टोज (Fructose) होते हैं।गुड़ में जिंक (Zinc), विटामिन-B (Vitamin B), कैल्शियम (Calcium), फॉस्फोरस (Phosphorus), कॉपर (Copper) और मिनरल्स (Minerals) भी पाए जाते हैं।

2. गुड़ के फायदे:

गुड़ खाने से हमारा मेटाबॉलिज्म (Metabolism) इम्प्रूव होता है।गुड़ में सुक्रोज पाया जाता है लेकिन इसमें फाइबर और पानी नहीं होता। जिससे फ्रेश होने (Bowel Movements) में मदद मिलती है।इसमें अच्छी मात्रा में आयरन (Iron) पाया जाता है इसलिए एनीमिया (Anemia) के मरीजों को इससे काफी फायदा मिलता है।इसे खाने से सर्दी-जुकाम जल्दी ठीक होता है क्योंकि इसमें मौजूद मिनरल्स और एंटी ऑक्सीडेंट (Anti-oxidants) इम्यून सिस्टम (Immune System) को मजबूत करने में मदद करते हैं।

3. तिल (Sesame Seeds)

तिल सफेद और काले रंग के छोटे-छोटे दाने होते हैं। इसकी तासीर गर्म होती है इसलिए इसे ठंड में ही खाया जाता है। इसमें मोनो- सैचुरेटेड फैटी एसिड (Mono-saturated fatty acids) के साथ भारी मात्रा में एंटी- बैक्टीरियल मिनरल्स (Anti-bacterial Minerals) होते हैं जिससे हमारी बॉडी को इसे खाने से कई फायदे होते हैं।तिल का प्रयोग आमतौर पर एशिया में किया जाता है। वहीं विदेश में भी इसका प्रयोग ताहिनी (Tahini) नाम के पेस्ट के रुप में किया जाता है।तिल के फायदे,रिसर्च में सामने आया है कि इसमें सेसमीन नाम का एंटी ऑक्सिडेंट भी होता है जिसमें कैंसर (Cancer) से लड़ने की शक्ति होती है।इसमें मौजूद मोनो- सैचुरेटेड फैटी एसिड से शरीर में कोलेस्ट्रॉल (Cholesterol) कम होता है।इसमें मौजूद मैग्नीशियम, जिंक, कैल्शियम, आयरन और सेलेनियम आदि हार्ट को एक्टिव रखने में हेल्प करते हैं।वहीं तिल का तेल मुंह के छालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है।4. गाजर (Carrots)गाजर जमीन के अंदर उगने वाली सब्जी है। इसका वैज्ञानिक नाम डॉकस कैरोटा (Daucus Carota) है। जानकारी के मुताबिक एशिया के लोगों ने ही सबसे पहले इसकी खेती शुरु की थी। गाजर दिल, दिमाग, नस के साथ-साथ हेल्थ के लिए भी फायदेमंद है।गाजर के रस में विटामिन A, B,C,D,E, G और K पाए जाते हैं जिससे हमारी बॉडी को काफी सारे न्यूट्रिएंट्स मिल जाते हैं।बीटा-कैरोटीन (Beta Carotene) लाल, गहरे हरे, पीली या फिर नारंगी रंग की सब्जी में पाया जाता है, इसलिए गाजर भी इसका एक मुख्य

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

सोर्स है।हमारी बॉडी बीटा-कैरोटीन को विटामिन-A में कन्वर्ट कर देती है। जिससे हमारे शरीर को काफी मात्रा में विटामिन-A मिलता है। एक गाजर किसी व्यक्ति के भी शरीर में विटामिन-A की दैनिक खपत का 300 % ज्यादा पूर्ति करती है।

4. गाजर के फायदे : विटामिन A की कमी से रतौंधी (Retinitis Pigmentosa) नामक बीमारी होती है और इस बीमारी में गाजर खाना काफी फायदेमंद है।गाजर में कैरोटीन होता है जो कैंसर से लड़ने में मदद करता है। इससे प्रोस्टेट कैंसर (Prostate Cancer), कोलन कैंसर (Colon Cancer), पेट का कैंसर (Stomach Cancer) और ब्रेस्ट कैंसर (Breast Cancer) आदि को खत्म किया जा सकता है।इसे रेग्युलर खाने से ब्लड कॉलेस्ट्रॉल (Blood Cholesterol) कंट्रोल किया जा सकता है , नहीं तो ब्लड कॉलेस्ट्रॉल दिल की बीमारी (Heart Disease) का कारण बन जाता है। गाजर खाने से पेट भर जाता है और फिर हमें जल्दी भूख नहीं लगती है इसलिए ये वजन कम (Weight Loss) करने में भी हेल्प करती है।

5. मूंगफली (Peanut)

मूंगफली एक प्रकार का मेवा (Nuts) है जिसका वैज्ञानिक नाम Arachis Hypogaea है। इसमें काफी मात्रा में प्रोटीन और हेल्दी फैट के साथ कई विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं। जानकारी के मुताबिक 100 gm कच्ची मूंगफली में 1 Litre दूध के बराबर प्रोटीन होता है। तकनीकी रुप से इसे फली (Legume Family) के अंदर भी रखा जाता है। इससे तेल (Peanut Oil), आटा (Peanut Flour) और प्रोटीन (Peanut Protein) के अलावा भी कई चीजें बनती हैं और इससे बनी हुई चीजों का उपयोग डेजर्ट (Dessert), केक (Cake), कन्फेक्शनरी (Confectionery), स्नैक्स (Snacks) और सॉस (Sauce) बनाने में भी किया जाता है।

दिगम्बर जैन सोशल, ग्रुप स्वस्तिक-जयपुर द्वारा कपड़े राशन आदि वितरण किये

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन रत्न स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की 75 वी जन्म जयंती के अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप -स्वस्तिक ने आज बहुत से परिवारों से गर्म व सूती कपड़े तथा अन्य सामान आदि एकत्रित कर वितरित किये। आशा भवन ट्रस्ट को निर्धन लोगों के सहायतार्थ अनाथाश्रम में उनके उपयोग हेतु प्रदान किया। मंत्री अजीत बड़जात्या ने बताया कि इस अवसर पर किशोर ठोलिया, सुज्योति प्रकाश जैन, रोहित जैन, प्रेमचंद बोहरा शकुन बड़जात्या, रंजना बोहरा,किरण जैन, पुष्पलता जैन आदि ने गरिमामयी उपस्थिति दी। सभी सामान अनाथाश्रम में दिए जाने के पश्चात कार्यकारिणी सदस्य किशोर ठोलिया एवं एस पी जैन द्वारा सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया गया।

महिला मंडल दुर्गापुरा ने गायों को चारा खिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री चंद्रप्रभा दिगम्बर जैन महिला मंडल दुर्गापुरा ने दुर्गापुरा गौशाला मे गायों को हरा चारा, गुड आदि खिलाया। अध्यक्ष रेखा लुहाडिया, मंत्री रानी सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर संगीता काला, रितु चांदवाड ,नीरु पांड्या, रेणु पांड्या, छवि विनायका, वर्षा अजमेरा , प्रीति पाटनी ,सुशीला काला, रेखा पाटनी, सीमा बाकलीवाल आदि सदस्या उपस्थित रही।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमंड-जयपुर द्वारा गरम कपड़े एंव खाना वितरित किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष ''जैन रत्न'' श्री प्रदीप सिंह जी कासलीवाल की 75 वीं जन्म जयंती पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमंड, जयपुर द्वारा सामाजिक सरोकार कार्यक्रम के तहत जयपुरिया हॉस्पिटल पर गरीब मजदूर तबके के लोगों को गरम कपड़े एंव खाना वितरित किया गया। ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य दिनेश - शेला धाडूका द्वारा 50 सदस्यों के लिए स्वयं अपने हाथों से खाना बना कर ''आशा भवन'' में रह रहे लोगों जिसमें घर से ठुकराए हुये , बेघर , अनाथ आदि को खाना खिलाया। अध्यक्ष प्रमोद जैन व सचिव रमेश चन्द छाबड़ा ने बताया की जयपुरिया हॉस्पिटल वर्ड ट्रेड पार्क के सामने पर 13 जनवरी को समय शामः 5 बजे इन्द्रा रसोई मे गरीब मजदूरों को रमेश चन्द ,यश कमल अजमेरा के सहयोग से खाना खिलाया। खाना, कपड़े वितरण के अवसर पर डायमन्ड ग्रुप सरंक्षक यश कमल अजमेरा,अध्यक्ष प्रमोद - सोनल जैन , सचिव रमेश- सन्जना छाबड़ा, कोषाध्यक्ष एस के - आभा गंगवाल, अतुल छाबड़ा, शेला धाडूका आदि उपस्तिथ रहे ।

शीतलहर ने ठंड बढ़ाई : एक ही रात में पारा 3 डिग्री गिरा, गले दो-तीन दिन में 5 डिग्री तक गिर सकता है पारा

जयपुर. कासं। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होते ही राजधानी में फिर से मौसम पलट गया है। 5 दिन राहत मिलने के बाद अब फिर से शीतलहर चलने लगी है और कड़ाके की सर्दी लौट गई है। राजधानी में शुक्रवार शाम से ही सर्द हवाएं चलने से ठिठुरन बढ़ गई है और शनिवार दिनभर हल्की ठंड हवाओं के बीच शहरवासियों पतंगबाजी का आनंद लिया। शीत हवाएं चलने से बीती रात न्यूनतम तापमान 24 घंटे में ही 3 डिग्री लुढ़ककर 12.3 से 8.5 डिग्री पर आ गया। मौसम विभाग ने करीब डेढ़ दर्जन जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। राजधानी में अगले दो-तीन दिन कड़ाके की ठंड पड़ने का अनुमान है। इस दौरान पारा 4-5 डिग्री तक लुढ़ककर न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक पर आ सकता है। 15-16 जनवरी तो सर्दी का जोर ज्यादा रहने के आसार है। इस हफ्ते दिन-रात का पारा सामान्य से कम ही रहने का आसार है। मौसम विभाग के अनुसार 20 जनवरी बाद सर्दी से राहत मिलने की उम्मीद है।

दिगंबर जैन युवा महासभा संभाग इंदौर के चुनाव संपन्न

इंदौर. शाबाश इंडिया

भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा संभाग इंदौर के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए ।जिसमें अध्यक्ष चिराग गोधा, महामंत्री अतिशय सोनी, महासचिव प्रमोद पहाड़िया एवं युवा प्रचार मंत्री अतिशय राजेश दद्दू निर्विरोध मनोनीत हुए। इसके अतरिक्त 19 सदस्यों को भी विभिन्न पदों पर मनोनीत किया गया। यह चुनाव महासभा के परम संरक्षक टी के वेद एवं प्रदेश अध्यक्ष चिंतन जैन की उपस्थिति में संपन्न हुए।

जयपुर में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने मानव सेवा कर जैन रत्न प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की 75वी जन्म जयंती मनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष जैन रत्न स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल के 75 वें जन्म जयंती के अवसर पर आज पूरे भारतवर्ष में मानव सेवा कार्य करके यह दिवस जनसेवा पर्व के रूप में मनाया गया। राजस्थान रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि नव मनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायक के आह्वान पर पूरे देश भर में यह मानव सेवा अलग-अलग ग्रुपों के माध्यम से की गई। रीजन महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि इसी कड़ी में आज जयपुर में भी राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान मे दिगम्बर जैन सोशल वीर ग्रूप , गुलाबी नगर ,जयपुर मैन, डायमंड , पार्श्वनाथ, मैत्री , स्वस्तिक , संगिनी फार एवर , पिंक पर्ल , सम्यक, सन्मती , नवकार , तीर्थंकर , विराट, वात्सल्य ग्रुप ने अलग-अलग जगह पर मानव सेवा , गौसेवा, निशुल्क मेडिकल कैम्प, विद्यार्थियों को पुस्तके कापी पेन,डिक्शनरी, भोजन कराना, विह्वल चेयर , फोल्डिंग पलंग, गरम कपड़ों का वितरण, केंसर हास्पिटल में फल व बिस्कुट का वितरण, तिल के लड्डू का वितरण, आदि कार्य कर प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की जन्म जयंती मनाई। रीजन कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन सभी ग्रुपों द्वारा प्राणी मात्र की सेवा के उद्देश्य से इतने अच्छे कार्य करने का धन्यवाद आभार व्यक्त किया ।

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ ने गायों को चारा खिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ द्वारा सामाजिक कार्यक्रमों की कड़ी में मकर सक्रांति के पावन अवसर पर गायो को चारा एवं गुड वितरित किया गया कार्यक्रम में ग्रुप अध्यक्ष अभय गंगवाल, अंजना गंगवाल, हर्षित जैन, गुनिन जैन एवं ग्रुप के सदस्यगण उपस्थित थे।

अर्न्तमना आकाशीय बैलून कार्यक्रम

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर. शाबाश इंडिया। आज मकर सक्रान्ति के अवसर पर आचार्य 108 श्री प्रसन्नसागरजी महाराज के 557 दिन की मौन साधना व 496 दिन के उपवास की महातप साधना की अनुमोदना हेतु डेज ग्रुप अहमदाबाद के साथ अजमेर में भी आकाशीय बैलून द्वारा अदभुत नजारे का प्रदर्शन ताराचंद सेठी परिवार व समस्त जैन समाज के सहयोग होटल मेरवाडा एस्टेट भागचंदजी की कोठी पर किया गया। ताराचंद सेठी व गुरूभक्त परिवार ने जानकारी दी कि 27 जनवरी से 3 फरवरी तक शाश्वत सम्मेद शिखर तीर्थक्षेत्र पर विशाल कार्यक्रम होगा जिसमें 28 जनवरी 2023 को होने वाले महापारणा व महाप्रतिष्ठा कार्यक्रम में देश-विदेश से करीबन दो लाख धर्मावलम्बी भाग लेंगें और उन्होंने बताया कि अनुमोदना स्वरूप चार हजार पोस्टकार्ड गुरूवर के नाम लिखे गये। मंच का संचालन कमल गंगवाल ने करते हुये बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ. श्रीगोपाल बाहेती, अजमेर विकास प्राधिकरण के पूर्व चेयरमेन शिव शंकर हेडा, अजमेर शहर जिला काग्रेंस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन, नगर निगम के उपमहापौर नीरज जैन, पार्षद रूबी जैन, विनय सोगानी, विजय सोगानी, प्रदीप पाटनी,बसंत सेठी, प्रवीण जैन, अनिल गदिया आदि का माल्यार्पण कर गुरू भक्त परिवार द्वारा अभिनंदन किया गया । इस दौरान सभी अतिथियों ने इस तप की बहुत बहुत अनमोदना करते हुये अपने विचार व्यक्त किये। रोशनी सोगानी ने सभी आगुन्तकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाग लेने वालो में प्रेमचंद पाटनी, धनकुमार लुहाडिया, अनिल पाटनी, कमल कासलीवाल, सुभाष गंगवाल, नवीन पाटनी, अशोक गोधा, विनय पाटनी डॉ. विमलचंद जैन, संजय कुमार जैन, शैलेन्द्र जैन, कमल गंगवाल,नाथूलाल जैन, नितिन दोसी, पदमचंद सोगानी, नरेन्द्र गोधा, मनोज जैन मोडासिया, सुमनेष जैन, राकेष दोसी,प्रवीण पाटोदी, मनोज गोधा, मनीष सेठी, रोशनी सोगानी, मधु पाटनी, सरस्वती पाटनी, रीना दोसी, ज्योति सेठी, सिद्वार्थ सेठी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।